राजधानी जयपुर में धार्मिक आस्था पर एक माह में दूसरी बार हमला

लालकोठी सब्जी मंडी के पास शिव मंदिर में असामाजिक तत्वों ने मूर्तियां खंडित कीं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के बजाज नगर थाना इलाके में स्थित लाल कोठी सब्जी मंडी के पास शुक्रवार देर रात कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा एक शिव मंदिर की मूर्तियों को खंडित (तोडफोड) करने की घटना सामने आई है। शनिवार सुबह श्रद्धालुओं ने खंडित मूर्तियों को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। वहीं इसके बाद पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया। लोगों ने इसे धार्मिक आस्था पर हमला बताते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस के अधिकारियों से इस घटना को गलत बताते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

सहायक पुलिस आयुक्त (मालवीय नगर) आदित्य पुनिया ने बताया कि यह मंदिर सब्जी मंडी सहकार मार्ग के पास स्थित है। जहा एक अज्ञात शख्स शक्रवार देर रात मंदिर में घुसा और शिव परिवार की तीन-चार मूर्तियों को तोड़कर उन्हें क्षितग्रस्त कर दिया। नंदी की मूर्ति भी टूटने की स्थिति में मिली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

जयपुर के बजाज नगर थाना इलाके में स्थित लाल कोठी सब्जी मंडी के पास शुक्रवार देर रात कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों ने एक शिव मंदिर की मूर्तियों को खंडित कर दिया।

पुलिस की कई टीमें आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश

इधर स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सिर्फ मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटना नहीं है। बल्कि सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की एक कोशिश है। प्रशासन से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

- पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल छाया, आरोपियों की गिरफ्तारी की पुरजोर मांग
- शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात, पुलिस ने की लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

दुकानदारों व श्रद्धालुओं ने जताया विरोध

वहीं मंदिर में शिव परिवार की मूर्तिया खंडित करने की घटना की खबर फैलते ही स्थानीय दुकानदारों और श्रद्धालुओं ने विरोध जताया और अपनी दुकानें बंद कर पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की गई।

सीसीटीवी फुटेज से कुछ लगे सुराग हाथ

एसीपी पूनिया ने बताया कि गोकुल सैनी ने बजाज नगर थाने में इस संबंध में शिकायत दी है। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। उनके पास सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध है और उनकी मदद से कुछ सुराग हाथ लगा है। जिन्हें ट्रेस आउट करके आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। साथ ही मंदिर में मूर्ति की पुनः प्राण प्रतिष्ठा करने का फैसला मंदिर प्रशासन ने किया है। उनका जो भी निर्णय होगा प्रशासन उसमें सहयोग करेगा।

मंदिर संरक्षक गोपाल सैनी ने बताया कि मंदिर में तोड़फोड़ को लेकर पुलिस अपनी ओर से कार्रवाई कर रही है। उम्मीद है जल्द ही आरोपियों को पकड़ लेंगे। अभी हम नई मूर्तियां लाकर जल्दी ही उनकी प्राण प्रतिष्ठा करवाएगें।

गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले सांगानेर इलाके में तेजाजी मंदिर में तोड़फोड़ के बाद अब बजाज नगर इलाके में एक और मंदिर में तोड़फोड़ किए जाने से स्थानीय लोगों और व्यापारियों में भारी आक्रोश है।

धूमधाम से मनाया बजरंग बली का जन्मोत्सव

हनुमंत शोभायात्रा समिति की ओर से हनुमान जयंती पर 38वीं शोभायात्रा न्यूगेट स्थित रामलीला मैदान से गाजेबाजे और लवाजमे के साथ रवाना हुई।

शोभायात्रा में विदेशी सैलानियों ने भगवान की फोटो अपने मोबाइल में ली। वहीं राम-सीता बने पात्रों ने भी सैल्फी लेने का आनंद लिया।

जयपुर। ज्ञानियों में अग्रगण्य और अतुल बलशाली होते हुए भी स्वयं को प्रभु श्रीराम के चरणों का दास मानने वाले वीर बजरंग बली का जन्मोत्सव चैत्र पूर्णिमा शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। छोटीकाशी स्थित हनुमान जी महाराज के सभी मंदिरों में सुबह से देर रात धार्मिक आयोजनों की धूम रही। विशेष झांकियां सजाई गई। रंगीन रोशनी और फूलों से सजे हनुमान मंदिरों में शाम को श्रद्धालु उमड़ पड़े। परिवार सहित पहुंचे भक्तों ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया। इससे पूर्व सुबह हनुमानजी का वेद मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किया गया। सिंदूरी चोला धारण कराकर नवीन पोशाक धारण कराई गई। ऋतु पुष्पों से मनोरम श्रृंगर कर महाआरती की। जयपुर के कुल देवता के रूप में पूजित घाट के बालाजी मंदिर में स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज के सान्निध्य में महाआरती की गई। सैंकड़ों की संख्या में दीप प्रज्जवलित किए गए। इससे पूर्व हनुमान जी का अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण कराया गया। नवीन पोशाक धारण कराकर विशेष श्रृंगार किया गया। स्वामी सुदर्शनाचार्य ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यहां हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया। इस मौके पर हनुमत् यज्ञ भी हुआ। चांदपोल हनुमान, सांगानेरी गेट स्थित पूर्व मुखी-पश्चिमी मुखी हनुमान मंदिरों में सुबह से देर रात भक्तों का तांता लगा रहा। तीनों मंदिरों में हनुमान जी महाराज की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही।

चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमान जी मंदिर में महंत गोपालदास के सान्निध्य में हनुमत जन्मोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया। युवाचार्य पं.योगेश शर्मा ने बताया कि संगीतमय सुंदरकांड पाठ के बाद छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। पवनपुत्र का मनमोहक शृंगार किया गया। भजन संध्या भी हुई। बड़ी संख्या में पदयात्राएं मंदिर पहुंची।

लक्ष्मण डूंगरी स्थित खोले के हनुमान जी मंदिर में हनुमान जी का 108 औषधि द्रव्यों, विभिन्न तीर्थों के जल, फलों के रस से अभिषेक कर षोडशोपचार पूजन किया गया। कोलकाता के विशेष आर्किड, टाटा रोज और एन्थोरियम के फूलों से मनोरम श्रृंगार किया गया। करीब 200 क्विंटल फूलों से सजावट की गई। हनुमान जी महाराज को 61 किलो चांदी की पोशाक धारण कराई गई। मध्यान्ह में जन्मआरती हुई। सभी भक्तों को लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया।

हाथोज के दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर में महामंडलेश्वर बालमुकुंदाचार्य के सान्निध्य में विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में पंचामृत अभिषेक के बाद फूल बंगला झांकी सजाई गई। झांकी रात बारह तक भक्तों के लिए खुली रही। सुबह से दोपहर तक संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुए। विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पदयात्रा के रूप में मंदिर पहुंचे। सभी पदयात्रियों का सम्मान किया गया। शाम को भजन संध्या में पवन पुत्र का गुणगान किया गया।

हनुमंत शोभायात्रा समिति की ओर से हनुमान जयंती पर 38 वीं शोभायात्रा न्यूगेट स्थित रामलीला मैदान से गाजेबाजे और लवाजमे के साथ रवाना हुई। संयोजक ध्रुवदास अग्रवाल और अध्यक्ष शंकरलाल अग्रवाल ने बताया कि फूलों से सुसज्जित मुख्य रथ में विराजमान हनुमान लला के दर्शनों के लिए लोगों में होड़ सी रही। शोभायात्रा में झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही।

राजस्थान स्थापना दिवस तिथि से मनाना महत्वपूर्ण : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को भारत-भारती संस्था द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को भारत-भारती संस्था द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राजस्थान स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा कि राजस्थान गौरवमय इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं का प्रदेश है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राजस्थान दिवस को भारतीय पंचांग से मनाने की घोषणा कर उसकी शुरूआत करने की सराहना की तथा कहा कि भारतीय संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ने की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण कदम है।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान की स्थापना चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को हुई उस दिन अंग्रेजी तारीख 30 मार्च का दिन था। उन्होंने लोहपुरुष सरदार पटेल को याद करते हुए कहा कि रियासतों के एकीकरण से आज के राजस्थान की स्थापना की। उन्होंने राजस्थान के इतिहास और गौरव में संस्कृति की चर्चा करते हुए महाराणा प्रताप, महाराणा सांगा जैसे वीरों को भी याद किया।

राजस्थान रंगो की अनुपम धरा है। विविधता लिए यहां के अलग-अलग अचंल और वहां की सांस्कृतिक परम्पराओं, तीज-त्योंहार, उत्सव और पर्व इसकी धरोहर है।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे

जयपुर। वर्तमान डिजिटल युग में सूचना प्रौद्योगिकी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, बैंकिंग और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में आईटी की भूमिका बढ़ती जा रही है। पारदर्शी एवं जवाबदेही सुशासन देने में भी ई-गवर्नेंस और ऑनलाइन सेवाओं का योगदान उल्लेखनीय है। डिजिटल संसार की इन सभी गतिविधियों के सुरक्षित और निर्बाध संचालन का डेटा सेंटर्स प्रमुख आधार है।

इन सेंटर्स में क्लाउड कम्प्यूटिंग, को-लोकेशन एवं कंटेंट डिलीवरी के माध्यम से विभिन्न डिजिटल प्लेटफोर्म संचालित होते हैं। व्यावसायिक डेटा को सुरक्षित और सुलभ रखने के साथ ही ये डेटा केन्द्र रिकवरी समाधान भी उपलब्ध कराते हैं। विगत कुछ वर्षों में हमारे देश के डेटा सेंटर्स की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में बढ़ रहे निवेश से भारत तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर बाजार के रूप में स्थापित हुआ है। वर्ष 2024 में भारतीय डेटा सेंटर बाजार की अनुमानित क्षमता 2 हजार मेगावाट थी, जो वर्ष 2029 तक बढ़कर 4 हजार मेगावाट से अधिक होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने डेटा सेंटर्स की इस बढ़ती उपयोगिता को देखते हुए राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 लागू की है। राज्य बजट 2024-25 में यह डेटा सेंटर पॉलिसी लाने की घोषणा की गई थी।

- राजस्थान बनेगा डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए पसंदीदा राज्य
- पांच वर्षों में 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश की संभावना

राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 का लक्ष्य राज्य में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित कर राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र का प्रमुख केन्द्र बनाना है। यह नीति राज्य में स्थापित होने वाले डेटा सेंटर्स की गतिविधियों की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को प्रभावशाली बनाएगी। साथ ही, राज्य में डेटा प्रबंधन, प्रदर्शन और सुरक्षा के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने में भी मदद करेगी।

इस नीति के तहत डेटा सेंटर सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं।

गोपालगढ़ साम्प्रदायिक दंगा प्रकरण में नियमित सुनवाई शुरू

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से सांसदों और विधायकों से जुडे आपराधिक मामलों की सुनवाई जल्द कर उनका निस्तारण करने के निर्देश के बाद भरतपुर के गोपालगढ़ सांप्रदायिक दंगा मामले में भी नियमित सुनवाई आरंभ हो गई है। मामले की सुनवाई जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 में हो रही है। अदालत एक दिन छोड़कर एक दिन इस मामले की सुनवाई करेगी। एडीजे कोर्ट में मामले की आगामी सुनवाई 17 अप्रैल को रखी गई है।

इस मामले में फिलहाल अभियोजन पक्ष की ओर से बयान दर्ज कराए जा रहे हैं। जिसमें 65 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। प्रकरण में कुल 62 आरोपी थे, जिनमें से 6 आरोपियों की मौत हो चुकी है और तीन आरोपी कोर्ट से जमानत मिलने के बाद फरार चल रहे हैं। प्रकरण में सीएम भजनलाल शर्मा, पूर्व मंत्री जाहिदा खान, जमशेद खान, प्रमोद शर्मा, जवाहर सिंह बेढम, केसरी सिंह, गिरधारी तिवारी सहित अन्य आरोपियों को सशर्त अग्रिम जमानत मिली हुई है। गौरतलब है कि 14 सितंबर 2011 को हुई भरतपुर के गोपालगढ में हुई इस सांप्रदायिक हिंसा की घटना में 10 व्यक्तियों की मौत हुई थी और 45 लोग घायल हो गए थे।

'बिहार दिवस के उपलक्ष्य में स्नेह मिलन समारोह आज'

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से बिहार दिवस के उपलक्ष में रविवार को राजधानी जयपुर में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत प्रवासी लोगों के लिए स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि भाजपा की ओर से सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल सभागार में बिहार दिवस के उपलक्ष में स्नेह मिलन समारोह मनाया जाएगा। शाम 5 बजे से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद रहेंगे।

राजस्थान पुलिस के 40 अधिकारी-कर्मचारियों को मिलेगा मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक

जयपुर। राजस्थान पुलिस के अधिकारियों-कर्मचारियों को उनकी सराहनीय सेवाओं, कठोर परिश्रम एवं विशेष योगदान के लिए मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। गृह विभाग की ओर से इस संबंध में राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर यह पदक दिए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सेवा पदक की स्वीकृति पर कहा कि राजस्थान पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी कड़ी मेहनत, समर्पण एवं पूर्ण निष्ठा से प्रदेश की कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखते हैं। उत्कृष्ट सेवा देने वाले ऐसे पुलिस कार्मिकों का मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित होने पर मनोबल बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आवश्यकतानुरूप आधुनिक संसाधन भी उपलब्ध करवा कर रही है।

- राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर मिलेगा सेवा पदक

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 से राजस्थान में प्रथम बार मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक दिए जाने की शुरूआत हो रही है। इस सेवा पदक से आईपीएस अधिकारी अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, सिविल राइट्स एण्ड एन्टी ह्यूमन ट्रेफिकिंग मालिनी अग्रवाल, महानिरीक्षक पुलिस, सतर्कता प्रफुल्ल कुमार, उप महानिरीक्षक पुलिस, प्रशिक्षण प्रीति चंद्रा, पुलिस उपायुक्त, जयपुर शहर (उत्तर) राशि डोगरा डूडी सहित कुल 40 अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

सात आरपीएस अधिकारियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र कुमार भगत, सैयद मुस्तफा अली जैदी, आदर्श चौधरी, हिमांशु शर्मा, चंचल मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक आलोक कुमार गौतम व दशरथ सिंह शामिल है।

पुलिस निरीक्षक से कांस्टेबल स्तर के 29 पुलिस अधिकारी एवं कार्मिक चयनित हैं। इनमें कंपनी कमांडर बजरंग सिंह, शिवलाल गुर्जर, दशरथ सिंह, पुलिस निरीक्षक आनंद कुमार, हिमांशु सिंह राजावत, पुलिस उप निरीक्षक राजेश कुमार शर्मा, महेश कुमार टांक, प्लाटून कमांडर गोविंद सिंह, सहायक उप निरीक्षक उम्मेद सिंह, खड़क सिंह, हेड कांस्टेबल राजेंद्र सिंह, सुभाष चंद्र, प्रेमचंद, शिव सिंह, हनुमान सहाय, सायर सिंह, महेंद्र सिंह मीणा, श्रीनारायण, रविंद्र सिंह राजावत, भंवर सिंह, सीमा देवी, कांस्टेबल विनोद कुमार, बलवीर सिंह, मोहम्मद शब्बीर खान, महावीर प्रसाद, भंवर लाल, राजेश कुमार यादव, महिला कांस्टेबल मनीषा कुमारी एवं कांस्टेबल चालक दुर्गा लाल सेन शामिल है।

डिजास्टर मेडिसिन में भारत को वैश्विक नेतृत्व दिलाएगा पतंजलि : स्वामी रामदेव

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में ''जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन एवं आपदा औषधि'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आज शुभारंभ हुआ। इस कार्यशाला में चार देशों के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। कार्यशाला में स्पेन विश्वविद्यालय के प्रो. रूबेन, इटली से विश्व बैंक के आपदा औषधि समूह के अध्यक्ष प्रो. रोबेर्टो मुगावेरो, नॉर्वे विश्वविद्यालय के प्रो. बी. सितौला तथा नेपाल आपदा प्रबंधन केंद्र के वैज्ञानिक प्रो. बी. अधिकारी ने भाग लिया।

इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय में 'डिजास्टर मेडिसिन, मैनेजमेंट एंड क्लाइमेट चेंज' को लेकर अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस) की स्थापना एवं लोकार्पण भी किया गया। साथ ही, विश्वविद्यालय में पेटेंट सेल की भी स्थापना की गई।

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं विश्वविख्यात योगऋषि स्वामी रामदेव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, यह केंद्र भविष्य में वैश्विक स्तर पर आपदाओं व उनसे उत्पन्न त्रासदी से निपटने में सहायक सिद्ध होगा। पतंजलि ने हमेशा हर आपदा में मानवता और समाज सेवा की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाई है-चाहे वह सुनामी रही हो, बिहार की बाढ़, या केदारनाथ की त्रासदी। पतंजलि की शक्ति, सोच और भावना का ही परिणाम है कि हम हर आपदा में सबसे पहले सहायता पहुँचाने वालों में शामिल होते हैं। उन्होंने भारतीय व सनातन संस्कृति से आपदा प्रबंधन की शिक्षा लेने पर भी बल दिया।

इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि, यह अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर आपदा प्रबंधन और जनकल्याण के लिए एक व्यवस्थित पहल करेगा। पतंजलि ने पूर्व में भी केदारनाथ त्रासदी, नेपाल भूकंप और बिहार की बाढ़ जैसी आपदाओं में अग्रणी भूमिका निभाते हुए मानवीय सेवा के कार्य किए हैं।

पतंजलि विश्वविद्यालय में ''जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन व आपदा औषधि'' पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में स्पेन विश्वविद्यालय के प्रो. रूबेन, इटली से विश्व बैंक के आपदा औषधि समूह के अध्यक्ष प्रो. रोबेर्टो मुगावेरो, नॉर्वे विश्वविद्यालय के प्रो. बी. सितौला तथा नेपाल आपदा प्रबंधन केंद्र के वैज्ञानिक प्रो. बी. अधिकारी ने भाग लिया।

इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं उत्तराखंड स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूकॉस्ट) के महानिदेशक डॉ. दुर्गेश पंत ने कहा कि आपदा प्रबंधन भारतीय संस्कृति के इकोसिस्टम में समाहित है। उन्होंने आधुनिक विज्ञान, तकनीक और सकारात्मक सोच के समन्वय से आपदाओं और उनसे उत्पन्न त्रासदी से प्रभावी ढंग से निपटने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर वर्ल्ड बैंक के भारत में प्रतिनिधि डॉ. आशुतोष मोहंती ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय दक्षिण एशिया का पहला संस्थान है जहाँ डिज़ास्टर मेडिसिन के क्षेत्र में गंभीर और संगठित पहल की गई है। उन्होंने पतंजलि विश्वविद्यालय की इस पहल की प्रशंसा करते हुए यह घोषणा की कि वर्ल्ड बैंक द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन और डिज़ास्टर मेडिसिन के क्षेत्र में स्कॉलरशिप, फेलोशिप, पीएचडी अनुसंधान तथा स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम में भागीदारी का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा।

इस कार्यशाला के मुख्य संयोजक एवं पतंजलि विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. सत्येन्द्र मित्तल ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली आपदाओं और उनके निराकरण हेतु भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। प्रो. मित्तल ने बताया कि यह कार्यशाला डीआरए इंफ़्राकोन, मैकाफेरी, मेगा प्लास्ट, टेक फैब तथा यूकॉस्ट के सहयोग से आयोजित की गयी।

- केदारनाथ से बिहार तक, हर त्रासदी में मानवता के साथ खड़ा रहा पतंजलि : आचार्य बालकृष्ण

इस अवसर पर उत्तराखंड के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक समीर सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि आपदा प्रबंधन में जनसमुदाय की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है, जिससे आपदा से उत्पन्न त्रासदी को कम किया जा सके। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी को आपदा प्रबंधन के लिए मूल आधार बताया। वहीं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) से दीपक कुमार पांडे ने भी आपदा प्रबंधन पर महत्वपूर्ण प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यवस्थित प्रशिक्षण, त्वरित प्रतिक्रिया और स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से किसी भी आपदा की तीव्रता को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है।

इस कार्यशाला में पंतजलि विश्वविद्यालय के कुलानुशासिका प्रो. (डॉ.) देवप्रिया, प्रति-कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल, कुलसचिव आलोक कुमार सिंह, कुलानुशासक आर्षदेव, डीन अकादमी एवं रिसर्च डॉ. ऋत्विक बिसारिया, डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, डॉ. वेदप्रिया, डॉ. वी.के. शर्मा, प्रो. पी.के. सिंह, डॉ. अजय चौरसिया, डॉ. राधिका नागरथ, डॉ. बी.डी. पाटनी तथा गणमान्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. निवेदिता शर्मा ने की।